भजन

तर्ज– तेरी उम्मीद तेरा इन्तजार

तेरी मेहर से तेरा इश्क याद करते हैं
ओ पिया हम तो सिर्फ तेरी चाह करते हैं

1– इश्क तेरा मेरा खजाना है,तेरी वाणी ही तो मयखाना है
तेरे आशिक तेरे दीवाने हैं,सारी दुनियां से हम बेगाने हैं
जुस्तजू में तेरी यह दिन और रैन कटते हैं

2–तन हमारे लिए हो बैठे वहीं,दिल हमारे तो अब तलक हैं यहीं
दिल में रहकर भी क्यूं जुदाई है,अब तो जाहेर हो ये दुहाई है
पिया ये ख्वाब हटाओ दुआ ये करते हैं

3– मोमिनों के जुदा चलन राहें,नाजी फिरका यहीं तो कहलाए
कब तलक रात खेंच रखनी है,विरहा में तेरे रूह तड़पती है
तेरी रहगुजर में तेरा इन्तजार करते हैं